

नगरीय भूगोल की परिभाषा दे? और इसके क्षेत्रों का वर्णन करें?

नगरीय भूगोल अंग्रेजी भाषा के 'अरबन ज्योग्राफी' (Urban Geography) शब्द का हिंदी रूपान्तरण है। अंग्रेजी का 'अरबन' (Urban) शब्द लैटिन भाषा के 'अरब्स' (Urbs) और 'अरबनस' (Urbanus) से बना है जिसका अर्थ नगर (City) व इसके सम्बंधित धरतारें हैं। समान्य बोल-चाल की भाषा में नगर, सिटी, टाउन और मेट्रोपोलिटन तीनों के लिए प्रयोग किया जाता है।

नगरीय भूगोल में मुख्य रूप से नगरों के विभिन्न रूप, आकृति तथा विकास की कार्यों का अध्ययन किया जाता है। नगरों में प्राथमिक (Non-Primary) कार्यों की अत्यंत ही अधिक प्रधानता ही जाती है। इसी शब्दों में प्राथमिक संसाधनों से प्रत्यक्ष सम्बंधित (कृषि इत्यादी) उपलब्धियों को छोड़कर सभी क्रिया-कलाप, उद्योग व्यापार, शिक्षा, प्रशासन इत्यादी मानव क्रिया कलाप नगरों में सम्पादित किया जाता है।

वास्तव में नगरों का अध्ययन प्राचीन काल में केवल side and Location के आधार पर किया जाता था, प्रन्तु चिरे-2 इसका क्षेत्र फलन बढ़ता गया। इसी के अनुकूल नगरों के रूप तथा परिभाषा में परिवर्तन आया। विशेषतः 20वीं शताब्दी में नगरीय भूगोल की विशेष प्रगति हुई। सर्वप्रथम 1907 में Kurlkows नामक जर्मन विद्वान ने Urban Geography को विकसित किया।

अतः विभिन्न विद्वानों ने नगरीय भूगोल की परिभाषा निम्न प्रकार से की है:—

श्रीप्रिय टेलर के अनुसार:—

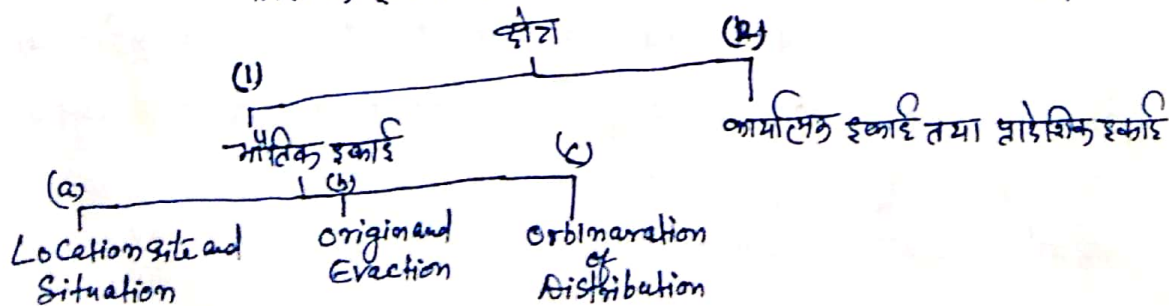
"नगरीय भूगोल में नगर का बसाव, स्थान, आकृति, आकार तथा वर्गीकरण का अध्ययन सम्मिलित है।"

प्रो० गुरुदेव सिंह गोसल के अनुसार: (पंजाब विश्वविद्यालय, चण्डीगढ़ के भूगोल वेदा) — "नगरीय भूगोल नगरीय स्थानों का भौतिक अध्ययन है। ये नगरीय स्थान अपने-पारों कोर के प्रदेश के लिए सेवा केन्द्र के रूप में कार्य करते हैं। उसी प्रदेश के खारे जीवित रहते हैं तथा इसी के लिए जन्म लेते हैं।"

SCOPE OF URBAN GEOGRAPHY

नगरीय भूगोल का विषय क्षेत्र का अध्ययन इसके परिभाषा में निहित है। नगरीय भूगोल के विषय क्षेत्र में सबसे महत्वपूर्ण बात है।

नगरों के पूर्ण इकाई अध्ययन क्षेत्र को दो स्वरूपों में बारा जाता है।



1. भौतिक इकाई :-

(a) Location Site and Situation :- → इसके अन्तर्गत नगरों का Location यानी आसपास तथा देशान्तर विस्तार या धरातलीय तथा Situation या प्राकृतिक वातावरण का अध्ययन करते हैं। आसपास तथा देशान्तर विस्तार धरातलाकृति एवं वातावरण का अध्ययन करते हैं।

(b) Origin and Evacation :- → नगरीय भूगोल में हम नगर की उत्पत्ति एवं विकास का अध्ययन करते हैं कि अमूक नगरों की उत्पत्ति के पीछे क्या कारण है। किसी नगर की उत्पत्ति उद्योग के कारण, व्यापार के कारण, प्रशासनिक एवं धार्मिक कार्यों के कारण होता है। वास्तव में यहाँ अनेक नगरों के उत्पत्ति के सम्बंध में अध्ययन करते हैं। नगर की उत्पत्ति के साथ विकास का भी अध्ययन करते हैं। नगर के विकास आकार तथा विस्तार का असर पड़ता है।

(c) Orbimination of Distribution :- → (नगरीकरण तथा वितरण) :- → नगरीय भूगोल में नगरीकरण तथा शून्य नगरों (नगरमाल) का अध्ययन करते हैं। नगरीकरण का प्रयोग जनसंख्या के सम्बंध में मिलता है। अतः इसमें प्रादेशिक विकास का भी अध्ययन होता है। नगरों के विकास होने पर अनेक उपनगरों का भी उत्पत्ति होती है। यहाँ जनसंख्या उद्योग का विकास होता है। नगरों की शून्य नगरों का अध्ययन नगरीय भूगोल में होती है।

2. कार्यात्मक तथा प्रादेशिक इकाई (Functional and Regional Units) :- → नगरीय

भूगोल में नगर के कार्यों का विस्तृत अध्ययन करते हैं। वास्तव में नगर के द्वितीय या तृतीय (Secondary and Tertiary) का केन्द्र होता है। नगर में एक या अनेक केन्द्र बिन्दु होते हैं जो नगर के अनेक भागों से सम्बंधित होते हैं। वास्तव में यह केन्द्र स्थल के आस-पास क्षेत्रों को अपने ओर आकर्षित करते हैं। अतः नगरीय भूगोल में नगरों के कार्यों की विस्तृत विश्लेषण अनेक संदर्भ में किया जाता है। यहाँ नगरों में किस कार्य की प्रधानता है, इसमें इसका अवलोकन किया जाता है। वास्तव में नगरीय भूगोल में नगर या नगरों का प्रभाव आस-पास के क्षेत्रों पर पड़ता है। अतः नगर का विकास एक प्रादेशिक केन्द्र के रूप में होता है, जिसका स्पष्ट प्रभाव उन्हे उसके UmLand (प्रभाव क्षेत्र) पर पड़ता है। नगरों के एक प्रादेशिक इकाई के रूप में अध्ययन करते हैं। समय विभिन्न तत्वों पर ध्यान देते हैं। जैसे नगरीय आकारिकी (Morphology), भूमि उपयोग (Land Use), सामाजिक एवं प्रादेशिक प्रति रूप, यातायात के प्रतिरूप इत्यादी तत्वों का अध्ययन नगर के प्रादेशिक इकाई के रूप में करते हैं।

उपरोक्त विवेचन से स्पष्ट होता है कि नगरीय भूगोल का विषय क्षेत्र नगर भौतिक अलात्मक तथा प्रादेशिक इकाई के रूप में अध्ययन करता है। अतः मेयर के शब्दों में — “नगरीय भूगोल का सम्बंध एक कार्यात्मक, प्रादेशिक तथा भौतिक इकाई के रूप में इकाई से है।”